आपकी खबरों का संसार...

अतुल्य संसार

RNI No.-RJHIN/2015/63826

संस्करणः जयपुर

हिन्दी समाचार पत्र...

web: www.atulyasansar.com

Digital Edition

www.liveworldnews.in

वर्षः 10 | अंकः 352 | जयपुर, गुरुवार 02 जुलाई, 2026 | मूल्यः 2 रुपए | पृष्ठः 4

डोरा किड्स प्री... पेज 2

हाईकोर्ट ने पूछा... पेज 3

30 दिन जेल में रहे तो पीएम-सीएम की कुर्सी जाएगी

संसदीय समिति प्रावधान हटाने के पक्ष में नहीं, मानसून सत्र में बिल दोबारा आ सकता है

नई दिल्ली। अगर कोई प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री या राज्य मंत्री किसी गंभीर अपराध के मामले में गिरफ्तार होने के बाद लगातार 30 दिन तक न्यायिक हिरासत में रहता है, तो उन्हें पद छोड़ना पड़ सकता है। इससे जुडे बिलों को सरकार मानसून सत्र में दोबारा पेश कर सकती है। सूत्रों के मुताबिक 130वें संविधान संशोधन बिल पर बनी संसद की संयुक्त संसदीय समिति इससे जुड़े प्रावधानों को हटाने के पक्ष में नहीं है। समिति 17 जुलाई को अपनी रिपोर्ट को मंजूरी दे सकती है। गृहमंत्री अमित शाह ने इससे जुड़े 3 बिलों को पिछले मानसून सत्र में संसद के दोनों सदनों में रखा था, जिसके बाद इसे इन्हें JPC को भेजने का प्रस्ताव मंजूर कर लिया गया था।

CBI-ED ने 2014 के बाद 13 सिटिंग मंत्रियों को गिरफ्तार किया

2014 के बाद कम से कम 13 सिटिंग मंत्रियों को **CBI-ED** गिरफ्तार कर चुकी हैं। इनमें से 10 गिरफ्तारियां **PMLA** के कड़े प्रावधानों के तहत हुईं। ज्यादातर गिरफ्तारियां **AAP** शासित दिल्ली और **TMC** शासित पश्चिम बंगाल में हुईं। किसी भाजपाई मंत्री की गिरफ्तारी नहीं हुई है। सिर्फ उत्तर प्रदेश के मंत्री राकेश सचान को अवैध हथियार के मामले में एक वर्ष की सजा हुई थी। वह जमानत के बाद पर बने रहे।

केजरीवाल ने गिरफ्तारी के 6 महीने बाद भी इस्तीफा नहीं दिया, 3 केस से समझिए पूरे मामले को

केंद्र सरकार का मानना है कि ये तीनों बिल लोकतंत्र और सुशासन की साख मजबूत करेंगे। अब तक संविधान के तहत केवल दोषी ठहराए गए जनप्रतिनिधियों को ही पद से हटाया जा सकता था। मौजूदा कानूनों में संवैधानिक पद पर बैठे नेताओं को हटाने को लेकर स्पष्ट व्यवस्था नहीं है। इसको लेकर कानूनी और सियासी विवाद होते रहे हैं। दिल्ली के तत्कालीन सीएम अरविंद केजरीवाल शराब नीति केस केस में ईडी की गिरफ्तारी के बाद भी पद पर थे। जमानत के बाद उन्होंने इस्तीफा दिया था। तमिलनाडु के मंत्री सेंथिल बालाजी भी 241 दिन जेल में

रहते हुए मंत्री रहे थे, बालाजी को मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन में नौकरी के बदले नकद घोटाले के आरोपों में प्रवर्तन निदेशालय ने जून 2023 में मनी लॉन्ड्रिंग केस में गिरफ्तार किया था। इसके बाद भी वह 13 फरवरी 2024 तक पद पर बने रहे थे। गिरफ्तारी से पहले वे बिजली, आबकारी और मद्य निषेध विभाग संभाल रहे थे। गिरफ्तारी के बाद मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने उन्हें बिना विभाग वाला मंत्री बनाए रखा और उनके विभाग अन्य सहयोगियों को सौंप दिए।

मामला क्या है?

130वें संविधान संशोधन विधेयक में प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और मंत्रियों की गिरफ्तारी से जुड़े प्रावधानों को लेकर संसद की संयुक्त संसदीय समिति अपनी रिपोर्ट को 17 जुलाई को मंजूरी दे सकती है।

130वें संविधान संशोधन विधेयक में प्रस्तावित कानून क्या कहता है

130वें संविधान संशोधन विधेयक के मुताबिक अगर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री या राज्य मंत्री किसी गंभीर अपराध (जिसमें 5 साल या उससे ज्यादा की सजा का प्रावधान है) के मामले में गिरफ्तार होकर लगातार 30 दिन तक न्यायिक हिरासत में रहते हैं, तो उन्हें पद छोड़ना पड़ सकता है।

क्या सिर्फ गिरफ्तारी होते ही पद छिन जाएगा

नहीं। सिर्फ गिरफ्तारी से पद नहीं जाएगा। प्रस्तावित प्रावधान तभी लागू होगा, जब व्यक्ति लगातार 30 दिन तक न्यायिक हिरासत में रहे।

क्या यह हर मामले में लागू होगा?

नहीं। यह केवल उन मामलों में लागू होगा, जिनमें 5 साल या उससे अधिक की सजा का प्रावधान है। छोटे अपराध इसके दायरे में नहीं होंगे।

सरकार इस कानून की जरूरत क्यों बता रही है?

सरकार का कहना है कि इससे सार्वजनिक जीवन में जवाबदेही बढ़ेगी। उनका तर्क है कि गंभीर आरोपों में लंबे समय तक जेल में रहने वाला व्यक्ति मंत्री पद पर बना रहे, यह लोकतांत्रिक नैतिकता के खिलाफ है।

विपक्ष विरोध क्यों कर रहा है?

विपक्ष का कहना है कि जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर राजनीतिक विरोधियों को गिरफ्तार कराया जा सकता है। अगर ऐसा हुआ तो चुनी हुई सरकारों को अस्थिर करने का खतरा पैदा हो सकता है।

आगे क्या होगा?

अभी यह सिर्फ प्रस्तावित संविधान संशोधन विधेयक है। यदि 17 जुलाई को **JPC** से मंजूरी मिलती है तो इसे लोकसभा और राज्यसभा में पेश किया जाएगा। इसके बाद अगर बिल दोनों सदनों से पास हो जाता है तो यह कानून बन सकेगा।

क्या बिल का दुरुपयोग हो सकता है

नहीं। **JPC** रिपोर्ट में ऐसे सुरक्षा उपाय जोड़ सकती है, जिससे राजनीतिक बदले की भावना से झूठे मामलों में गिरफ्तारी कर किसी सरकार को अस्थिर करने के लिए इस कानून का दुरुपयोग न हो।

क्या बिल को कोर्ट में चुनौती दी जा सकती है

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस एके पटनायक के मुताबिक प्रस्तावित बिल को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी सकती है।

जम्मू-कश्मीर में बादल फटा, अरुणाचल में बाढ़

एमपी-बिहार में बिजली गिरने से 8 की मौत; जुलाई में सामान्य से कम बारिश का अनुमान

भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना। जम्मू-कश्मीर को डोडा में बुधवार सुबह 2 बार बादल फटा। भलेसा के कलालगीसर इलाके में बादल फटने से बाढ़ आ गई। ढेर सारा मलबा पहाड़ी से बहकर सड़क पर आ गया। इससे रास्ते ब्लॉक हो गए। वहीं, अरुणाचल प्रदेश में बाढ़ और लैंडस्लाइड का कहर है। अब तक 4 लोगों की मौत हो चुकी है। अंजॉ जिले के सारती गांव में लैंडस्लाइड में एक व्यक्ति की मौत हुई। इधर, मध्य प्रदेश के हरदा-खरगोन में बिजली गिरने से 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि बैतूल में एक ही परिवार के चार लोग झुलस गए। वहीं, चंपा नदी के उफान में बाइक समेत दो युवक बह गए। बिहार में भी बिजली गिरने से 5 लोगों की मौत हो गई। यूपी के सोनभद्र में मंगलवार शाम 4 बजे पिकनिक मनाने गए 3 लोग बरसाती नाले के तेज बहाव में बह गए। एक ही मौत हुई। उत्तराखंड में बारिश से देहरादून में रिस्पना नदी उफान पर है। गंगा के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए ऋषिकेश में मंगलवार शाम से राफ्टिंग पर 31 अगस्त तक रोक लगा दी गई है। नवी मुंबई में लगातार हो रही बारिश के बीच बुधवार को सड़क पर भरे पानी में करंट फैल गया। इस दौरान नेरुल के एलपी ब्रिज के नीचे से गुजर रहीं टू-व्हीलर सवार दो छात्राएं करंट लगने से गिर गईं। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दिल्ली-राजस्थान को छोड़ पूरे देश में मानसून पहुंचा

मानसून ने बुधवार को पंजाब और हरियाणा में एंट्री कर ली। अब दिल्ली और राजस्थान को छोड़ पूरे देश में मानसून पहुंच गया है। मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि जुलाई में देश के ज्यादातर हिस्सों में सामान्य से कम बारिश हो सकती है।

देश में जून में 39.8% कम बारिश

देश में इस साल जून महीने में 1901 के बाद पांचवीं सबसे कम बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग के अनुसार, जून में सामान्य 165.3**mm** के मुकाबले केवल 99.5**mm** बारिश हुई, जो 39.8% कम है। **IMD** ने बताया कि अगले दो से तीन दिनों में दक्षिण-पश्चिम मानसून दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान और पूरे जम्मू-कश्मीर में पहुंच सकता है। अल नीनो के असर के कारण इस साल मानसून प्रभावित हुआ है।

राममंदिर चोरी- आरोपी अविनाश के घर 20 लाख मिले

1 हजार डॉलर भी बरामद; संदूक पर लिखा था- रामराज्य कोष, क्यूआर कोड भी चिपका था

अयोध्या। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में बुधवार को आरोपी लवकुश मिश्रा और अनुकल्प मिश्रा के घर पुलिस ने छापेमारी की। दस्तावेजों को खंगाला और परिजनों भी पूछताछ की गई। इस बीच, 8 में से 7 आरोपियों के घर बरामदगी का ब्योरा सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, सबसे अधिक 20 लाख कैश जेल में बंद अविनाश शुक्ला के पास मिला है। 1121 डॉलर यानी करीब एक लाख 6 हजार रुपए और सोने-चांदी की ज्वेलरी भी बरामद हुई है। टिन्नू के पास से 1 लाख और उसके भतीजे से 2 लाख कैश मिले हैं। अविनाश के अयोध्या स्थित योग सेंटर पर 28 जून को पुलिस ने छापा मारा था। तब एक संदूक बरामद हुआ था। उस पर लाल रंग से रामराज्य कोष लिखा था। पेटीएम का क्यूआरकोड लगा था। छापेमारी का वीडियो बुधवार सुबह सामने आया। इस बीच, राम मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास महाराज की तबीयत बिगड़ गई है। उन्हें लखनऊ मेदांता में भर्ती कराया गया है। हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. राकेश कपूर ने बताया- महंत को 29 जून यानी सोमवार को लाया गया था। उन्हें सांस लेने में तकलीफ और यूरिन इन्फेक्शन था।

एसआईटी को जांच के लिए 15 दिन का समय मिला

चढ़ावा चोरी मामले की जांच कर रही एसआईटी को सरकार ने 15 दिन का समय और दिया है। सूत्रों के मुताबिक, चढ़ावा चोरी की जांच का दायरा बढ़ाने के लिए ईडी को भी शामिल किया जा सकता है। अयोध्या पुलिस ने लखनऊ में ऑफिसर्स से इसका आग्रह किया है। मंगलवार को पुलिस ने फैजाबाद जेल में बंद सभी आठों आरोपियों से पूछताछ की। सबसे लंबी पूछताछ अविनाश से हुई। दो घंटे चली पूछताछ में 5 जून को अविनाश के घर से बरामद कैश और गहनों को लेकर सवाल-जवाब किए गए।

400 निजी सुरक्षाकर्मी भी जांच के घेरे में

राम मंदिर परिसर में तैनात 400 निजी सुरक्षाकर्मी भी जांच के घेरे में हैं। उनकी ड्यूटी, रोस्टर, सीसीटीवी, एंट्री-एग्जिट रिकॉर्ड की पड़ताल की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, मंदिर की सुरक्षा का जिम्मा जिस निजी सुरक्षा कंपनी के पास था, वह बिहार के पूर्व सांसद की है। ट्रस्ट इस पर हर महीने 1 करोड़ खर्च करता था। यानी निजी सुरक्षा पर सालाना 12 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे थे।

चंपत राय से 3 घंटे पूछताछ, 17 साल से तैनात RMO का ट्रांसफर

चंपत राय से रविवार को पुलिस ने करीब 3 घंटे पूछताछ की थी। पूछा कि उन्हें चढ़ावा चोरी का पता पहली बार कब और कैसे लगा। उसके बाद क्या-क्या किया। इससे पहले, कोर्ट ने सोमवार को चढ़ावा चोरी में गिरफ्तार 8 आरोपियों की न्यायिक हिरासत 14 दिन बढ़ा दी। राम मंदिर में पिछले 17 साल से तैनात रेडियो ऑपरेशन अधिकारी अर्जुन देव का तबादला गोरखपुर कर दिया गया। एसआईटी ने उनकी भूमिका को भी जांच के दायरे में लिया है। चढ़ावे की गिनती वाले काउंटिंग रूम के सीसीटीवी समेत राम मंदिर परिसर में लगे 1600 कैमरों की निगरानी की जिम्मेदारी उनके पास थी। चोरी का मामला पहली बार 7 जून को सामने आया था। यूपी सरकार ने 13 जून को एसआईटी बनाई। 25 जून को एफआईआर हुई। रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू समेत 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इसी दिन मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा ने इस्तीफा दे दिया।

तमिलनाडु में विजय सरकार गिराने की साजिशः टीवीके का दावा- 15 विधायकों का एक साथ इस्तीफा कराने 35 करोड़ रिश्वत देने की कोशिश

नई दिल्ली। तमिलनाडु में एक्टर विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कड़गम के विधायकों को 35 करोड़ रुपए का लालच देकर राज्य सरकार को गिराने की कथित साजिश का दावा किया गया है। राज्य के खुफिया विभाग ने कहा है कि इस योजना को समय रहते नाकाम कर दिया गया। पार्टी सूत्रों के अनुसार, साजिश के तहत टीवीके के 15 विधायकों से एक साथ इस्तीफा दिलाकर सरकार को संकट में डालने की तैयारी थी। इसी बीच ऊथंगुरै से टीवीके विधायक डॉ. एन. इलैयाराजा ने आरोप लगाया कि उन्हें स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव में वोट देने के बदले 35 करोड़ रुपए की रिश्वत की पेशकश की गई। शिकायत के बाद पुलिस और खुफिया एजेंसियों ने जांच शुरू की और चेन्नई की एक कंसल्टेंसी फर्म से जुड़े तीन लोगों (तिरुनावुक्करासु, नरेष और त्यागराजन) को गिरफ्तार किया। जांच में उनके डीएमके विधायक सेंथिल बालाजी से संबंध होने की जानकारी मिली है।

35 करोड़ की पेशकश की गई थी: विधायक

29 जून को विधायक इलैयाराजा ने चेन्नई पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि थिरुनावुक्करासु नाम के व्यक्ति ने खुद को एक सर्वे एजेंसी का प्रमुख बताकर उनसे फोन पर संपर्क किया। आरोपी ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ प्रस्ताव लाया जाएगा और उनसे सतारूढ़ दल के खिलाफ वोट देने को कहा। इसके बदले में उसने 35 करोड़ रुपए देने की पेशकश की। विधायक ने यह प्रस्ताव ठुकरा दिया। उनका आरोप है कि इसके बाद आरोपी ने बातचीत का खुलासा करने पर उन्हें और उनके परिवार को गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी।

हमारे विधायकों से संपर्क में हैं डीएमके नेताः कुमार

तमिलनाडु के मंत्री सीटी निर्मल कुमार ने डीएमके पर एआईएडीएमके प्रमुख एडप्पाडी के पलानीस्वामी के साथ मिलकर विजय के नेतृत्व वाली सरकार को गिराने की साजिश रचने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि टीवीके के कई विधायकों को दल-बदल के लिए पैसे की पेशकश की गई है। उन्होंने कहा- डप्पाडी पलानीस्वामी और अन्य लोग गुपचुप तरीकों से सरकार बनाने की कोशिश कर रहे थे। आज हम उसका नतीजा देख रहे हैं। एमके स्टालिन और उदयनिधि के इशारे पर काम करते हुए सेंथिल बालाजी जैसे डीएमके के प्रमुख नेता हमारे कई विधायकों से संपर्क कर रहे हैं। वे उन्हें 20 करोड़ से 50 करोड़ रुपए तक की पेशकश कर रहे हैं। हमारा ऐसा कोई विधायक नहीं है, जिससे उन्होंने संपर्क न किया हो। डीएमके के प्रवक्ता ए. सरवनन ने कहा- टीवीके जांच से जुड़ी जानकारी लीक करके सिर्फ जनता के बीच सनसनी फैलाना चाहती है। इससे पता चलता है कि उन्हें तथ्यों की जानकारी नहीं है और वे सिर्फ एक मनगढ़ंत कहानी बना रहे हैं। अगर उसके पास पुख्ता सबूत हैं तो वह सेंथिल बालाजी को गिरफ्तार करके दिखाए। उन्होंने आगे कहा- विजय और सेंथिल बालाजी के बीच संबंध बेहद तनावपूर्ण हैं। डीएमके के पूर्व मंत्री करूर से ताल्लुक रखते हैं, जहां विजय की चुनावी रैली के दौरान भगदड़ मच गई थी।

डोरा किड्स प्री स्कूल में डॉक्टर्स डे पर विशेष स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम

नन्हे बच्चों ने ग्रीटिंग कार्ड भेंट कर किया डॉक्टरों का सम्मान

राजसमन्द/प्रदीप सोलंकी । राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे के अवसर पर शहर के प्रमुख शिक्षण संस्थान डोरा किड्स प्री स्कूल, राजसमन्द में एक विशेष स्वास्थ्य जागरूकता और सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शहर के सुप्रसिद्ध शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. विमल कावड़िया एवं डॉ. सीमा कावड़िया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

खेल-खेल में सीखे सेहत के गुर

कार्यक्रम के दौरान डॉ. विमल कावड़िया और डॉ. सीमा कावड़िया ने नन्हे-मुन्ने बच्चों को बहुत ही सरल, सहज और रोचक तरीके से अच्छी सेहत के राज बताए। उन्होंने बच्चों को संतुलित व पौष्टिक आहार लेने, नियमित रूप से हाथ धोने व स्वच्छता बनाए रखने, पर्याप्त मात्रा में पानी पीने और दैनिक जीवन में स्वस्थ आदतें अपनाने के लिए प्रेरित किया। स्वच्छ वातावरण और अच्छी आदतें ही बच्चों को बीमारियों से दूर रखती हैं।

– डॉ. विमल कावड़िया व डॉ. सीमा कावड़िया

अतिथियों का सम्मान और बच्चों का अनूठा स्नेह

समारोह की शुरुआत में डोरा किड्स प्री स्कूल की डायरेक्टर सीमा जोशी ने दोनों अतिथि डॉक्टरों का पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर हार्दिक स्वागत किया। इस दौरान विद्यालय स्टाफ ने भी चिकित्सा क्षेत्र में दोनों डॉक्टरों के अमूल्य योगदान की सराहना करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का सबसे आकर्षक और भावुक क्षण वह था, जब नन्हे बच्चों ने अपने नन्हे हाथों से बनाए हुए डॉक्टर्स डे ग्रीटिंग कार्ड्स डॉक्टरों को भेंट किए। बच्चों के इस निश्छल प्यार और सम्मान को देखकर दोनों डॉक्टर भावुक हो गए। उन्होंने बच्चों को दुलारते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और स्वस्थ एवं अनुशासित जीवन जीने का आशीर्वाद दिया।

भविष्य में भी जारी रहेंगे ऐसे प्रयास

कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। स्कूल प्रबंधन ने संकल्प व्यक्त किया कि बच्चों के सर्वांगीण विकास और सामाजिक जागरूकता के लिए विद्यालय परिवार भविष्य में भी इस प्रकार के प्रेरणादायी कार्यक्रमों का आयोजन निरंतर करता रहेगा।

खिरोड़ के चंद्रप्रकाश डूडी का कॉलेज शिक्षा विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर चयन

क्षेत्र के लोगों ने खुशी व्यक्त करते हुए दी बधाई

उदयपुरवाटी/सुमेर सिंह राव। खिरोड़ कस्बे में स्थित शारदा सदन स्कूल के पूर्व छात्र एवं विद्यालय के प्रिंसिपल रणजीत सिंह डूडी के पुत्र चंद्रप्रकाश डूडी का कॉलेज शिक्षा विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर चयन होने पर क्षेत्र के लोगों ने खुशी व्यक्त करते हुए बधाई दी है। चंद्र प्रकाश डूडी की प्रथम पोस्टिंग ब्यावर जिले के राजकीय महाविद्यालय में हुई है। राजकीय महाविद्यालय ब्यावर के स्टाफ सदस्यों द्वारा चंद्र प्रकाश डूडी का माल्यार्पण कर सम्मान किया गया। चंद्र प्रकाश डूडी को बधाई देने वालो में खिरोड़ ग्राम पंचायत के प्रशासक महावीर प्रसाद भामू, रणवीर गुर्जर,शक्ति सिंह शेखावत, समाजसेवी धर्मवीर सिंह शेखावत, भगवान सिंह शेखावत, योगेंद्र सिंह शेखावत, प्रदीप शर्मा, पवन दाधीच, भाजपा मंडल अध्यक्ष किशनलाल गुर्जर, प्रधानाचार्य श्रवण कुलदीप, प्रधानाचार्य जयप्रकाश मीणा, रिटायर्ड प्रोफेसर दीनदयाल सैनी, प्रधानाध्यापक राजपाल सिंह सुंडा, मंजू सैनी, नरपत सिंह आधवाली, शिक्षा के क्षेत्र में विश्व रिकार्ड बनाने वाले डॉक्टर दशरथ सिंह शेखावत, खिरोड़ जीएसएस अध्यक्ष रामनिवास काजला, बिजेश गुर्जर सहित कई लोग शामिल है। इधर शारदा सदन स्कूल के डायरेक्टर रमाकांत दाधीच सहित समस्त स्टाफ सदस्यों ने खुशी व्यक्त करते हुए चंद्र प्रकाश डूडी को बधाई दी है।

'नेशनल बॉक्सिंग चैम्पियनशिप के ब्रोन्ज मैडलिस्ट अधिराज चाहर को सम्मानित किया'

● अतुल्य संसार नेटवर्क

दीपचंद शर्मा भरतपुर। 23 से 29 जून तक जालन्धर (पंजाब) में आयोजित पांचवीं नेशनल सब जूनीयर (अण्डर-15) बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में ब्रोन्ज मैडल जीतने पर सैनिक स्कूल चित्तौडगढ छात्र अधिराज चाहर को भरतपुर जिला बॉक्सिंग संघ एवं सैनिक स्कूल पूर्व छात्र संगठन द्वारा साफा और चांदी का मुकुट पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर भरतपुर जिला बॉक्सिंग संघ सचिव डॉ. संदीप देशवाल ने बताया सैनिक स्कूल चित्तौडगढ के कैडेट अधिराज चाहर स्कूल बॉक्सिंग प्रतियोगिता के गोल्ड मैडलिस्ट बॉक्सर हैं। इसके अलावा नेशनल आर्म रेसलिंग चैम्पियनशिप में भी कांस्य पदक जीत चुके हैं। अधिराज चोटिल होने के कारण इस चैम्पियनशिप में गोल्ड मैडल से चूक गये। सम्मानित करने वालों में भरतपुर जिला बॉक्सिंग संघ सचिव डॉ. संदीप देशवाल, भरतपुर जिला बॉक्सिंग संघ चेयरमैन डॉ. राकेश चाहर के अलावा सैनिक स्कूल चित्तौडगढ के पूर्व छात्र सोबरन सिंह फौजदार, पवन चौधरी, नरेन्द्र सरदार, नटवर बसवाल, सुनील खंसवाडा आदि ने साफा एवं चांदी का मुकुट के साथ उत्तरीय पहनाकर बॉक्सर अधिराज के साथ उनके प्रशिक्षक पुनीत फौजदार एवं मनीषा चाहर को भी सम्मानित किया। इस अवसर पर जूनीयर बॉक्सर लोकेन्द्र राजपूत, समीर चाहर, नक्ष फौजदार, भविष्य चौधरी, ओम शर्मा आदि मौजूद रहे।

नवनियुक्त SDM रवि प्रकाश एक्शन मोड में, एक ही दिन में कई विभागों का ताबड़तोड़ निरीक्षण

● अतुल्य संसार नेटवर्क

पाली/मीठालाल पंवार। सोजत के नवनियुक्त उपखंड अधिकारी रवि प्रकाश ने पदभार ग्रहण करने के बाद पहले ही दिन सक्रियता दिखाते हुए विभिन्न विभागों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने खारिया सोढा में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर का निरीक्षण किया तथा विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान शिविर में उपस्थित पात्र लाभार्थियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए। इसके बाद एसडीएम रवि प्रकाश ने जलदाय विभाग के फिल्टर प्लांट का निरीक्षण कर पेयजल आपूर्ति व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को व्यवस्थाओं में आवश्यक सुधार करने तथा आमजन को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके अलावा एसडीएम रवि प्रकाश सोजत क्लब भी पहुंचे, जहां क्लब के पुनरुद्धार एवं विकास को लेकर नगर पालिका अधिशासी अधिकारी राघव मीणा के साथ विस्तृत चर्चा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। एक ही दिन में विभिन्न विभागों के निरीक्षण और समीक्षा से स्पष्ट है कि नवनियुक्त एसडीएम रवि प्रकाश क्षेत्र की प्रशासनिक व्यवस्थाओं को लेकर पूरी तरह एक्शन मोड में नजर आ रहे हैं।

श्री भन्दे बालाजी धाम में हुआ 108 श्री हनुमान चालीसा सामूहिक पाठ महाआयोजन के पोस्टर का विमोचन किया

● अतुल्य संसार नेटवर्क

दीपचंद शर्मा जयपुर। श्री भन्दे बालाजी महाराज की असीम कृपा से आगामी 11 जुलाई, शनिवार को प्रात: 11 बजे से भांकरोटा स्थित हेरिटेज रिसॉर्ट में आयोजित होने वाले एक ही आसन पर 108 श्री हनुमान चालीसा सामूहिक पाठ महाआयोजन के प्रचार-प्रसार के क्रम में श्री भन्दे बालाजी धाम में कार्यक्रम के पोस्टर का विधिवत विमोचन किया गया। इस अवसर पर श्रद्धा एवं भक्ति के वातावरण में बालाजी महाराज के समक्ष आयोजन की सफलता के लिए विशेष प्रार्थना की गई। धाम के पुजारी पंडित रामदयाल शर्मा ने वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ पूजन-अर्चन सम्पन्न करवाया तथा श्री भन्दे बालाजी महाराज के समक्ष कार्यक्रम के निर्विघ्न, सफल एवं भव्य आयोजन की मंगलकामना की। पोस्टर विमोचन के पश्चात उपस्थित श्रद्धालुओं ने बालाजी महाराज के जयकारों के साथ आयोजन में अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने का संकल्प लिया। समिति के संरक्षक रामस्वरूप यादव ने बताया कि महाआयोजन को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से शहर एवं आसपास के सभी प्रमुख धार्मिक, सामाजिक एवं सार्वजनिक स्थलों पर कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन किया जाएगा। इसके माध्यम से अधिक से अधिक श्रद्धालुओं को इस अनूठे धार्मिक आयोजन से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि बड़ी संख्या में साधक सामूहिक रूप से श्री हनुमान चालीसा पाठ का पुण्य लाभ प्राप्त कर सकें। उन्होंने बताया कि इस महाआयोजन की तैयारियाँ लगातार चल रही हैं तथा प्रचार-प्रसार अभियान भी पूरे उत्साह के साथ संचालित किया जा रहा है। इसी उद्देश्य से संस्थापक संत अमरनाथ महाराज ने समिति के सदस्यों की अलग-अलग टीमें गठित की हैं, जो विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर पोस्टर विमोचन, जनसंपर्क एवं प्रचार-प्रसार का कार्य कर रही हैं । समिति के सदस्य श्रद्धालुओं से व्यक्तिगत संपर्क कर उन्हें कार्यक्रम की जानकारी दे रहे हैं तथा अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता के लिए प्रेरित कर रहे हैं। ज्ञात हो कि कार्यक्रम में सभी साधक एक ही आसन पर बैठकर 108 श्री हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ करेंगे। कार्यक्रम में भाग लेने के इच्छुक सभी श्रद्धालुओं के लिए पूर्व रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य रखा गया है, ताकि आयोजन की समुचित एवं सुव्यवस्थित व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की जा सकें। इस अवसर पर समिति के सदस्य छितर यादव, मुकेश कुमावत, पंकज शर्मा, बिरदी चंद दम्बीवाल सहित अन्य पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे ।

पर्यावरण संरक्षण पर विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

● अतुल्य संसार नेटवर्क

विजयपाल सैनी शाहपुरा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर जिला जयपुर अध्यक्ष माधवी दिनकर एवं तालुका विधिक सेवा समिति शाहपुरा अध्यक्ष ललिता शर्मा अपर जिला एवं सत्र सैशन न्यायाधीश प्रथम के निर्देशन में अधिकार मित्र दिनेश कुमार शर्मा ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नींझर में सृजन सुरक्षा योजना एवं पर्यावरण संरक्षण पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नींझर में प्रिंसिपल प्रकाश चन्द्र जाट की अध्यक्षता में बताया गया कि सृजन सुरक्षा योजनाओं के अंतर्गत अपने-अपने जन्मदिन पर 11 फलदार पौधारोपण प्रत्येक छात्र-छात्राओं द्वारा के किया जाना है। पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रधानाचार्य द्वारा शपथ दिलाई गई।

जुनियर लीगल लिटरेसी क्लब की अध्यक्ष मीनू सैनी द्वारा उपस्थित छात्र-छात्राओं को पर्यावरण के फायदे की जानकारी उपलब्ध कराई गई। अधिकार मित्र दिनेश कुमार शर्मा ने बताया कि किसी भी घर में बेटी होने पर खुशिया मनाई जानी चाहिए। बेटी के परिवार द्वारा 11 पौधों का वृक्षारोपण करना अनिवार्य है। नालसा जाग्रति योजनाओं को पर्यावरण को सफल बनाने के लिए सृजन सुरक्षा योजनाओं को बेटी के जन्म एवं उसकी परवरिश को पर्यावरण की सुरक्षा,जन्मजात बेटी को पर्यावरण से शुद्ध आक्सीजन उपलब्ध होगी। बेटी के समस्त टीकाकरण से शिक्षा , चिकित्सा, प्रशासनिक विभाग द्वारा एक ग्रीनकार्ड जारी किया जायेगा। बेटी के समस्त रिकार्ड आधारकार्ड जच्चा बच्चा कार्ड, शिक्षा में प्रथम वार एडमिशन से लेकर समस्त शासकीय कार्य उसी ग्रीन कार्ड द्वारा किए जा सकेंगे। बच्चों की पॉक्सो से सुरक्षा, महिला घरेलू हिंसात्मक मामलों सभी महिला सशक्तिकरण को सृजन सुरक्षा योजनाओं नालसा जाग्रति योजना 2025 के अंतर्गत समायोजित किया गया है।इस अवसर पर प्रधानाचार्य प्रकाश चंद जाट द्वारा वर्षा होने पर्यावरण संरक्षण के लिए सभी को 11पौधारोपण का संकल्प दिलाया गया। इस शिविर में 115 लाभार्थियों ने भाग लिया।

श्याम बाबा का भव्य जागरण व विशाल भंडारा प्रसादी संपन्न

जयपुर। राधा रानी सेवा समिति द्वारा पिछले 2 महीने से शरबत ओर पानी की सेवा आमेर सिटी हेरिटेज होटल आमेर रोड पर निरंतर चलाई जा रही थी जिसका 30 जून को श्याम बाबा का भव्य जागरण और विशाल भंडारा करके समापन हुआ। इसमें हजारों श्रद्धालु ने भोजन प्रसादी ग्रहण की साथ ही विभिन्न कलाकारों ने भजन से समा बांध दिया जिसमें पन्या सेपट, शनि चक्रधारी आदि ने अपनी शानदार प्रस्तुति दी।कार्यक्रम के दौरान सामाजिक कार्यकर्ता और समिति के प्रमुख सहयोगी हनुमान जी सैनी,युवा जागृति संगठन के अध्यक्ष समाजसेवी दौलत त्रिलोकानी, मनीष पारीक, नितिन सैनी, प्रवीण शर्मा, राजकुमार, प्रमोद, सुरेंद्र, राजेश रामानी, प्रीतम दास, दिनेश, शंकर, मोहन सैनी ,राजू शर्मा, हिमांसू सैनी आदि गणमान्य नागरिक व सेवादार उपस्थित रहे।

जय भोले बाबा बर्फानी सेवा समिति 17वी अमरनाथ यात्रा: 200 श्रद्धालुओं का जत्था अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना

जयपुर। छोटी काशी में अमरनाथ यात्रा का शुभारंभ हो गया है इसी कड़ी में बरकत नगर विस्तार गोवर्धन धाम मंदिर से जय भोले बाबा बर्फानी सेवा समिति की ओर से 17 वी अमरनाथ यात्रा रवाना हुई। यात्रा संयोजक जितेंद्र अजमेरा ने बताया कि यात्रा में 200 श्रद्धालु चार बसों के साथ एक खाने के सामान का ट्रक यात्रा के साथ रवाना हुआ। सर्वप्रथम मोती डूंगरी गणेश मंदिर में भगवान गणेश की पूजा अर्चना कर भोलेनाथ के जयकारे लगाते यात्रियों का जत्था रवाना हुआ सीकर के सालासर धाम, इच्छापूर्ण बालाजी, हनुमानगढ़, पंजाब, स्वर्ण मंदिर, बाघा बॉर्डर, चेची माता, रामबन होते हुए 4 जुलाई को श्रद्धालु अमरनाथ पहुंचेंगे। 5 जुलाई को बाबा बर्फानी के दर्शन करेंगे। यात्रा को आशीष सराफ, विवेक सराफ भाजपा जिला उपाध्यक्ष ब्रह्मकुमार सैनी ने रवाना किया।

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस: नर्सेज ने चिकित्सको का किया माला पहनाकर सम्मान

जयपुर। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर धन्वंतरि ओपीडी के नर्सिंग अधीक्षक अलका रानी रॉबर्ट सीनियर नर्सिंग ऑफिसर तारा चंद जांगिड़,ओम प्रकाश गुप्ता,अजीत कुमार जैन व प्रवीण दुबे ने पुष्प गुच्छ व माला पहनाकर सीनियर प्रोफेसर डॉ राधेश्याम चेजारा, अतिरिक्त अधीक्षक डॉ अजीत सिंह शक्तावत,प्रोफेसर डॉ.सुनील महावर का सम्मान किया। तारा चंद जांगिड़ में बताया कि डॉक्टर का पैसे मानव सेवा के लिये बना है उक्त डॉक्टरस की सेवाएं बहुत ही सराहनीय हैं।

राजस्थान राव राजपूत सभा भवन समिति की बैठक 5 को

जयपुर। राजस्थान राव राजपूत सभा भवन समिति की आम सभा युवाओं के साथ 5 जुलाई को सभा भवन समिति के मीटिंग हॉल प्रताप नगर सांगानेर में आयोजित होगी। राजस्थान राव राजपूत सभा भवन समिति के अध्यक्ष मिन्तरसिंह मौसलपुर ने बताया की इस मीटिंग में युवाओं के साथ भवन के विकास और सामाजिक महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विचार विमर्श किया जाएगा।समाज के युवाओं के साथ संवाद भी होगा। इसके बाद युवाओं के सुझाव लेकर आगे की रुपरेखा बनाई जाएगी।

04 वर्षीय मासूम शिवांश को मिली जन्मजात हृदय रोग से मुक्ति

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम बना वरदान

● अतुल्य संसार नेटवर्क

जयपुर द्वितीय। चिकित्सा विभाग का राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम बालक शिवांश के लिए वरदान सिद्ध हुआ है। पैदाईश हृदयरोग से जूझ रहे शिवांश को राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के प्रयासों की वजह से नया जीवन मिला है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष मित्तल ने बताया कि जन्मजात हृदय रोग से जूझ रहा 04 वर्षीय मासूम शिवांश जन्म के बाद से ही बीमार रहने लगा था। उसे साँस लेने में दिक्कत रहती थी। थोडा सा दौडने पर हाँफने लगता था। शिवांश दिन प्रतिदिन कमजोर होता जा रहा था। जोबनेर के अगरपुरा ग्राम निवासी पिता कजोडमल ने उसे लेकर अस्पतालों के चक्कर लगाए पर बात नहीं बनी।

गत 26 फरवरी को जब राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम सांभर की मोबाईल हैल्थ टीम बी आंगनबाडी अगरपुरा (जोबनेर) में बच्चों की स्क्रीनिंग के लिए आई तो वहां उन्हें परीक्षण के दौरान शिवांश के हृदय की बीमारी के विषय में पता लगा। मोबाईल हैल्थ टीम के डॉ. कमल शर्मा, एएनएम मीनाक्षी चौधरी, गरिमा वर्मा ने उसे मानसरोवर स्थित मंगलम मेडिसिटी अस्पताल में रैफर कर दिया। शिवांश के अभिभावकों को टीम ने हिम्मत बंधाई और समस्त ईलाज नि:शुल्क होने के विषय में बताया।

शिवांश को गत 13 अप्रैल को मंगलम मेडिसिटी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। आवश्यक परीक्षण के बाद 14 अप्रैल को डॉ. अभिमन्यु उप्पल व उनकी टीम ने बालक शिवांश का ऑपरेशन किया। ऑपरेशन सफल रहा और शिवांश को जन्मजात हृदय रोग की तकलीफ से मुक्ति मिल गई। चिकित्सकों की देखरेख में रहने के बाद उसे गत 15 अप्रैल को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। आज शिवांश बिना किसी तकलीफ के सामान्य बच्चों की तरह अपना जीवन बिता रहा है।

शिवांश के पिता कजोडमल और माता अनुराधा राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, चिकित्सकों और राज्य सरकार के प्रति कृतज्ञ है, जिनके प्रयासों की वजह से शिवांश का ऑपरेशन नि:शुल्क हुआ और उसे एक गंभीर रोग से मुक्ति मिल गई। इसमे सीएमएचओ डॉ. मनीष मित्तल, बीसीएमओ (सांभर) डॉ. राज चौधरी, एडीएनओ डॉ. दिलीप शर्मा, आरबीएसके मोबाईल हैल्थ टीम का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

भारत के डिजिटल भविष्य के निर्माण में राजस्थान की महत्वपूर्ण भूमिका: डेटा सेंटर क्षेत्र में 43 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव

जयपुर। आरआईसी में 29वें राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस सम्मेलन के बाद राउण्ड टेबल वार्ता में उद्योग प्रतिनिधियों से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत - विकसित राजस्थान 2047 के विजन को साकार करने के लिए राज्य में डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जा रहा है। ई-गवर्नेंस के माध्यम से नागरिक केंद्रित सेवाओं में पारदर्शिता बडी है, त्वरित सेवाओं से समय और लागत की बचत हो रही है। साथ ही, बेहतर रिकॉर्ड प्रबंधन और नीतिगत निर्णयों में मदद भी मिल रही है। इस दौरान उन्होंने कहा कि राजस्थान केवल पर्यटन और विरासत का ही प्रदेश नहीं, बल्कि भारत के डिजिटल भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला राज्य बन रहा है। यहां 100 से अधिक विश्वविद्यालय, लगभग 4 हजार कॉलेज हैं। प्रतिवर्ष ढाई लाख से अधिक युवा कॉलेज की पढ़ाई पूरी कर रोजगार के लिए तैयार होते हैं, ये हमारी सबसे बडी ताकत हैं। उन्होंने कहा कि आईस्टार्ट के माध्यम से प्रदेश में 8 हजार 700 से अधिक स्टार्टअप विकसित हुए हैं। जिनमें एक हजार करोड रुपये से अधिक का निवेश हुआ है तथा 48 हजार से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार सृजित हुए हैं। हमारा उद्देश्य युवाओं की प्रतिभा को नवाचार, अनुसंधान और उद्यमिता से जोडकर वैश्विक अवसर उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि एआई एक्सीलेंस सेंटर के माध्यम से उद्योग, स्टार्टअप, शिक्षण संस्थान तथा सरकार के बीच नवाचार आधारित साझेदारी को मजबूत किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एसटीटी जीडीसी जैसी वैश्विक कंपनी ने जयपुर में एआई रेडी डेटा सेंटर स्थापित किया है। इसके साथ ही अनेक अग्रणी कंपनियां राजस्थान में निवेश कर रही हैं। राज्य को डेटा सेंटर क्षेत्र में 43 हजार करोड रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनमें एसटीटी जीडीसी, एचजी एकाया, नायो बोल्ट तथा ज्यूडियम जैसी कंपनियां शामिल हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बिजली, भूमि उपलब्धता, सिंगल विंडो क्लियरेंस तथा उद्योग-अनुकूल नीतियों के माध्यम से राजस्थान को भारत का पसंदीदा एआई एवं डेटा सेंटर निवेश गंतव्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। राजस्थान एआई, डेटा सेंटर, जीसीसी, ड्रोन तथा जियो स्पेशियल क्षेत्रों में देश की सबसे प्रगतिशील नीतियों पर कार्य कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रीन एनर्जी की उपलब्धता, कम परिचालन लागत तथा पारदर्शी एवं उद्योग-अनुकूल प्रशासन हमारी प्रमुख प्रतिस्पर्धात्मक शक्तियां हैं। स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करने के लिए सरकारी खरीद प्रक्रिया में अनुभव तथा न्यूनतम टर्नओवर जैसी अनेक बाधाओं को समाप्त किया गया है। उन्होंने उद्यमियों से आह्वान किया कि वे राजस्थान को केवल निवेश का केंद्र नहीं, बल्कि अनुसंधान, नवाचार, रोजगार सृजन और भविष्य की तकनीकों के विकास का साझेदार बनाएं।

मुख्यमंत्री को राउण्ड टेबल वार्ता में उद्योग प्रतिनिधियों एवं विशेषज्ञों ने एआई, डेटा सेंटर, क्लाउड, क्वांटम कम्प्यूटिंग, सेमीकंडक्टर तथा स्टार्टअप इको सिस्टम से जुडे सुझाव प्रस्तुत किए।

सेना की जासूसी के बदले पहुंचाता था रुपए, आईएसआई एजेंट गिरफ्तार

4 साल से पाक हैंडलर के संपर्क में था, दूसरों के नाम से बैंक खाते खुलवाए

जयपुर। राजस्थान पुलिस की सीआईडी (इंटेलिजेंस) शाखा ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए फंडिंग नेटवर्क चलाने वाले एजेंट को गिरफ्तार किया है। सीआईडी ने रफीक चांद शेख पुत्र चांद मियां शेख (41) निवासी महाराष्ट्र के औरंगाबाद को 30 जून को पकड़ा। रफीक चांद शेख 4 साल से जासूसी गतिविधियों में शामिल लोगों तक ISI की ओर से भेजे जाने वाले रुपए पहुंचा रहा था। मामले में जांच चल रही है। साथ ही इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भी जांच की जा रही है। ADG इंटेलिजेंस प्रफुल्ल कुमार ने बताया- सीआईडी (इंटेलिजेंस) राजस्थान ने जनवरी में एक मामले में जैसलमेर निवासी झबरा राम और असम के डिब्रूगढ़ एयरफोर्स स्टेशन पर एमटीएस पद पर तैनात सुमित कुमार को गिरफ्तार किया था। इन दोनों पर भारतीय सेना से संबंधित गोपनीय सूचनाएं पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI के हैंडलरों तक पहुंचाने का आरोप है। दोनों को शासकीय गुप्त बात अधिनियम-1923 के तहत दर्ज मामले में पकड़ा था।

जांच में सामने आया फंडिंग नेटवर्क

ADG इंटेलिजेंस ने बताया- मामले की जांच के दौरान खुलासा हुआ कि दोनों आरोपियों को जासूसी के बदले **ISI** की ओर से रुपए रफीक चांद शेख ने भेजे थे। इसके बाद सीआईडी (इंटेलिजेंस) ने रफीक चांद शेख से पूछताछ की। पूछताछ में रफीक चांद ने स्वीकार किया कि वह करीब 4 साल से **ISI** के एक हैंडलर के संपर्क में था। सोशल मीडिया के जरिए रफीक इस नेटवर्क से जुड़ा था।

दूसरों के नाम से भी खुलवाए बैंक खाते

जांच में सामने आया कि आईएसआई हैंडलर के निर्देश पर रफीक ने अपने नाम के अलावा अन्य लोगों के नाम से भी अलग-अलग बैंक खाते खुलवाए। इन खातों का इस्तेमाल जासूसी गतिविधियों में शामिल लोगों तक आईएसआई की ओर से भेजे रुपए पहुंचाने के लिए किया जाता था। इस तरह वह पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी के लिए फंडिंग एजेंट के रूप में काम कर रहा था। जांच में मिले सबूत के बाद रफीक चांद शेख को सीआईडी (इंटेलिजेंस) राजस्थान ने गिरफ्तार किया है।

हॉस्पिटल में चार दिन से भर्ती एएसआई का निधन

लीवर में हो गया था इंफेक्शन; बाटाडू चौकी इंचार्ज पद पर कार्यरत थे

बाड़मेर। बाड़मेर पुलिस एएसआई का बुधवार को जोधपुर में इलाज के दौरान निधन हो गया। पिछले चार दिनों से अस्पताल में भर्ती थे। बीपी, शुगर की प्रॉब्लम होने के साथ-साथ लीवर में इंफेक्शन हो गया था। एएसआई अनोपाराम फिलहाल बाटाडू चौकी के इंचार्ज है। निधन के बाद बाड़मेर और बालोतरा पुलिस में शोक की लहर है। दरअसल, एएसआई अनोपाराम बालोतरा जिले के सिवाना, हिंगलाज थान के रहने वाले है। कांस्टेबल से पुलिस में भर्ती हुए थे। प्रमोशन होने के बाद हैड कांस्टेबल और एएसआई बने थे। अनोपाराम ने बाड़मेर कोतवाली समेत जिले भर के अलग-अलग थानों में ड्यूटी कर चुके है। फिलहाल बाटाडू चौकी इंचार्ज पद पर कार्यरत थे।

पूर्व संयुक्त-आयुक्त राजीव गर्ग पर एसीबी का एक और शिकंजा

आय से 98.55% अधिक संपत्ति का मामला दर्ज, 3 लाख की रिश्वत ट्रैप के बाद जांच में खुली करोड़ों की अवैध संपत्ति

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने प्रतापगढ़ में संयुक्त आयुक्त एवं महाप्रबंधक, जिला उद्योग एवं वाणिज्य केंद्र रहे राजीव गर्ग के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का एक और मामला दर्ज किया है। ब्यूरो की जांच में राजीव गर्ग के पास उनकी वैध आय से 98.55 प्रतिशत अधिक संपत्ति मिलने का खुलासा हुआ है। जानकारी के अनुसार, एसीबी ने अगस्त 2024 में राजीव गर्ग को 3 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों ट्रैप किया था। ट्रैप कार्रवाई के बाद उनके ठिकानों पर तलाशी और वित्तीय दस्तावेजों की जांच की गई। इसी दौरान आय से अधिक संपत्ति के साक्ष्य सामने आए। जांच में पाया गया कि राजीव गर्ग के पास उनकी ज्ञात वैध आय से 98.55 प्रतिशत अधिक, यानी 1 करोड़ 73 लाख 64 हजार 893 रुपये की अवैध परिसंपत्तियां हैं। इस आधार पर एसीबी ने उनके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत आय से अधिक संपत्ति का अलग मुकदमा दर्ज किया है। एसीबी के अनुसार अब इस पूरे प्रकरण की विस्तृत जांच अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतन सिंह राजपुरोहित करेंगे। जांच के दौरान राजीव गर्ग की संपत्तियों के स्रोत, निवेश, बैंक खातों, वित्तीय लेन-देन और अन्य दस्तावेजों की गहन

हाईकोर्ट ने पूछा-आरपीएससी में अध्यक्ष-सदस्य की नियुक्ति के क्या मापदंड

नियुक्त मेंबर्स का रिकॉर्ड किया तलब, कहा- एसआई भर्ती में भी हमने इनकी कार्यशैली की ऑब्जर्व

@रघुवंशी रक्षक पत्रिका

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने सरकार से पूछा है कि राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) में अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति के क्या मापदंड हैं। कोर्ट ने आयोग में नियुक्त मेंबर्स की नियुक्ति से जुड़ा ऑरिजनल रिकॉर्ड भी तलब किया है। यह आदेश कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एसपी शर्मा और जस्टिस मनीष शर्मा की खंडपीठ ने बुधवार को सोसायटी फॉर पब्लिक ग्रीवेंस और सुभाष सियाग की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। याचिकाओं में आयोग के कार्यवाहक अध्यक्ष केसरी सिंह, सदस्य कैलाश चंद मीणा और अयूब खान की नियुक्ति को चुनौती दी गई है। याचिका में कहा गया कि तीनों की नियुक्ति तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विधानसभा चुनाव की आचार संहिता लगने से कुछ घंटे पहले की थी।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा-हम एसआई भर्ती के मामले में भी सदस्यों की कार्यशैली को ऑब्जर्व कर चुके हैं।

सरकार कर रही राजनीतिक नियुक्तियां

अधिवक्ता शिवचरण गुप्ता और अधिवक्ता हिमांशु जैन ने कोर्ट को बताया- सरकार आयोग में राजनीतिक नियुक्तियां कर रही हैं। जबकि संवैधानिक आयोग होने और सरकारी नियुक्तियों की जिम्मेदारी के बावजूद नियुक्ति में मैरिट पर निर्णय नहीं लिया जाता है। उन्होने कहा- सदस्य केसरी सिंह के सोशल मीडिया पर टिप्पणियों के वीडियो मौजूद हैं, लेकिन उसके बाद भी उन्हें संवैधानिक पद पर नियुक्त कर दिया गया। सरकार मनमाने तरीके से आयोग में नियुक्तियां कर रही हैं। वहीं सरकार की ओर से कहा गया कि यह सर्विस मैटर है। इसे जनहित याचिका में चुनौती नहीं दी जा सकती है।

रिकॉर्ड में बताना होगा नियुक्ति का आधार

हाईकोर्ट ने सरकार से पूछा- सदस्यों की नियुक्ति का क्या आधार है। क्या नियुक्त सदस्यों ने नियुक्ति के लिए कोई आवेदन किया है। सरकार की आपत्ति पर कोर्ट ने कहा- हम नियुक्ति का ज्यूडिशियल रिव्यू कर सकते हैं।

महेश जोशी-संजय बडाया के खिलाफ एसीबी ने पेश किया चालान

20 हजार करोड़ रुपए के जेजेएम घोटाले में 3 हजार पेज का आरोप पत्र कोर्ट में दाखिल

जयपुर। राजस्थान में जल जीवन मिशन में कथित 20 हजार करोड़ रुपए के भ्रष्टाचार मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने तत्कालीन जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग मंत्री महेश जोशी और निजी व्यक्ति संजय बड़ाया के खिलाफ कोर्ट में चालान पेश कर दिया है। एसीबी ने करीब 3000 पेजों का आरोप पत्र विशेष एसीबी न्यायाधीश राजेश कुमार दडिया की अदालत में प्रस्तुत किया। राज्य सरकार की ओर से लोक अभियोजक मंजुला जैन ने अदालत को बताया कि मामले में अनुसंधान अभी भी लंबित है और जांच जारी है।

पहले भी दाखिल हो चुका है चालान

इस मामले में तत्कालीन अतिरिक्त मुख्य सचिव सुबोध अग्रवाल सहित 10 अन्य आरोपियों के खिलाफ भी पहले चालान पेश किया जा चुका है। एसीबी अब तक मामले में कई चरणों में आरोप पत्र दाखिल कर चुकी है।

ये आरोपी हैं न्यायिक हिरासत में

मामले में पूर्व मंत्री महेश जोशी, संजय बड़ाया, दिनेश गोयल, कृष्णदीप गुप्ता, शुभांशु दीक्षित, सुशील शर्मा, विशाल सक्सेना, डी.के. गौड़, महेंद्र प्रकाश सोनी, मुकेश पाठक और निरिल कुमार वर्तमान में जेल में हैं।

एक आरोपी को मिली जमानत

मामले के आरोपी अरुण श्रीवास्तव को राजस्थान हाईकोर्ट से जमानत मिल चुकी है। वहीं अन्य आरोपी जितेंद्र शर्मा, मुकेश गोयल और संजीव गुप्ता के खिलाफ स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी हैं और उनकी गिरफ्तारी की कार्रवाई जारी है। एसीबी के अनुसार- जल जीवन मिशन में टेंडर प्रक्रिया, ठेकों के आवंटन और अन्य वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े पहलुओं की जांच अभी जारी है। जांच पूरी होने पर मामले में पूरक चालान भी पेश किए जा सकते हैं।

राजस्थान हाईकोर्ट ने आरसीए की एडहॉक कमेटी निलंबित की

आईएएसभास्कर ए. सावंत बने इंचार्ज; अंडर-19 क्रिकेट टूर्नामेंट स्थगित

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की एडहॉक कमेटी को तत्काल प्रभाव से निलंबित (सस्पेंड) कर दिया है। लंबे विवाद के बीच हाईकोर्ट ने बुधवार को बड़ा फैसला सुनाया। कोर्ट ने होम सेक्रेटरी भास्कर ए. सावंत को आरसीए का इंचार्ज नियुक्त किया है। मामले की सुनवाई कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एस.पी. शर्मा की खंडपीठ ने की। इधर, एडहॉक कमेटी को सस्पेंड किए जाने के बाद 6 जुलाई से शुरू होने वाला अंडर-19 क्रिकेट टूर्नामेंट स्थगित कर दिया है। आरसीए-पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे और राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष वैभव गहलोत ने कोर्ट के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने अपने सोशल अकाउंट पर पोस्ट कर जल्द आरसीए चुनाव कराने की मांग रखी। राजीव प्रताप सिंह की ओर से दायर जनहित याचिका पर कोर्ट ने बुधवार को सुनवाई की। याचिका में आरोप लगाया गया था कि आरसीए की एडहॉक कमेटी का गठन 29 जून 2024 को केवल अंतरिम व्यवस्था के तौर पर किया गया था। उसे 3 महीने के भीतर चुनाव कराने की जिम्मेदारी दी गई थी। याचिकाकर्ता की ओर से कोर्ट को बताया गया कि निर्धारित समय में चुनाव नहीं कराए गए।

पूर्व विधायक ने चुनाव आयोग-सरकार को भेजा लीगल नोटिस

कहा- कोर्ट की कर रहे अवमानना; हाईकोर्ट ने 31 जुलाई तक चुनाव के दिए थे निर्देश

जयपुर। प्रदेश में पंचायत और निकाय चुनाव का मामला एक बार फिर हाईकोर्ट पहुंच सकता है। पूर्व विधायक संयम लोढ़ा ने 31 जुलाई तक पंचायत-निकाय चुनाव कराने के अदालती आदेश की पालना में चुनाव की प्रक्रिया शुरू नहीं करने पर राज्य चुनाव आयोग और राज्य सरकार को लीगल नोटिस भेजा है। नोटिस में कहा गया है कि हाईकोर्ट पंचायत-निकाय चुनाव के लिए स्पष्ट निर्देश दे चुका है। कोर्ट यह भी स्पष्ट रूप से कह चुका कि 20 जून तक परिसीमन और मतदाता सूचियों के संबंध में प्रक्रिया पूरी कर ली जाए। इसके बावजूद आयोग और सरकार ने अभी तक चुनाव कराने की तैयारी नहीं की है। पूर्व विधायक ने बुधवार को राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह, आयोग सचिव राजेश वर्मा, पंचायती राज सचिव जोगाराम और स्थानीय निकाय निदेशक जुइकर प्रतीक चंद्रशेखर को लीगल नोटिस भेजा है।

हाईकोर्ट के आदेश की अवमानना

पूर्व विधायक संयम लोढ़ा ने नोटिस में कहा- चुनाव आयोग और राज्य सरकार ऐसा करके हाईकोर्ट के आदेशों की अवहेलना कर रहे हैं, जो एक तरह से अदालत की अवमानना है। उन्होंने आयोग से अपील की है कि वह 31 जुलाई की डेडलाइन को ध्यान में रखकर चुनाव कार्यक्रम जारी करें। ऐसा नहीं करने पर वे हाईकोर्ट में राज्य चुनाव आयोग और राज्य सरकार के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई के लिए अवमानना याचिका दायर करेंगे।

कोर्ट ने दिए थे 31 जुलाई तक चुनाव कराने के आदेश

राजस्थान हाईकोर्ट ने पहले आयोग और सरकार को 15 अप्रेल तक प्रदेश में निकाय और पंचायत चुनाव कराने के निर्देश दिए थे। इसके बाद सरकार और आयोग ने अदालत में प्रार्थना पत्र लगाकर चुनाव टालने की अपील की थी। प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने समय देते हुए 31 जुलाई तक हर हाल में चुनाव कराने के लिए कहा था। वहीं ओबीसी आयोग को भी 20 जून तक अपनी रिपोर्ट देने के लिए बोला था।

हाईकोर्ट ने पूछा-आवारा कुत्तों को हटाने के लिए क्या किया

पालतू कुत्तों का रजिस्ट्रेशन भी जरूरी, पंजीकरण नहीं कराने वाले मालिकों पर लगेगा जुर्माना

जयपुर। आवारा कुत्तों को लेकर सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुपालन में राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से अब तक की गई कार्रवाई का ब्योरा मांगा है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस मनीष शर्मा की खंडपीठ ने मामले में संज्ञान लेते हुए केंद्र, राज्य सरकार और भारतीय पशु कल्याण बोर्ड से जवाब मांगा है। कोर्ट ने कहा- सरकार बताए कि आवारा कुत्तों की समस्या से निपटने के लिए अब तक क्या कार्रवाई की है। इसके साथ ही कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों की पालना सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने के भी निर्देश दिए। अदालत ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि ऐसे सभी पालतू पशुओं (जिनमें कुत्ते भी शामिल हैं) का अनिवार्य रूप से रजिस्ट्रेशन किया जाए, जो मानव जीवन के लिए खतरा बन सकते हैं। वहीं, पंजीकरण न कराने वाले पशु मालिकों पर जुर्माने सहित अन्य दंडात्मक कार्रवाई का प्रावधान भी किया जाए।

आवारा कुत्तों की नसबंदी और वैक्सीनेशन कराएं

हाईकोर्ट ने सरकार से पूछा- क्या सभी शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों, खेल मैदानों, बस स्टैंडों और रेलवे स्टेशनों के चारों तरफ फेंसिंग और गेट लगाए गए हैं या नहीं। इसके साथ ही अदालत ने निर्देश दिए कि पकड़े गए कुत्तों की नियमानुसार नसबंदी और वैक्सीनेशन कराया जाए। वहीं, सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में पर्याप्त मात्रा में एंटी-रेबीज वैक्सीन उपलब्ध करवाई जाए। कोर्ट ने भारतीय पशु कल्याण बोर्ड को भी नोटिस जारी करते हुए यह बताने के लिए कहा है कि जिला स्तर पर पशु कल्याण बोर्ड की स्थापना के लिए क्या कदम उठाए गए हैं। साथ ही कुत्तों के काटने की घटनाओं की रोकथाम के लिए SOP तैयार करने को लेकर अब तक क्या कार्रवाई की गई है।

बच्चों और बुजुर्गों के लिए गंभीर खतरा

अदालत ने कहा- डॉग बाइट (कुत्तों के काटने) की घटनाएं विशेष रूप से बच्चों और बुजुर्गों के जीवन के लिए गंभीर खतरा पैदा करती हैं। कोर्ट ने राज्य सरकार और जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों को नगर निकायों व पशुपालन विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर जमीनी स्तर पर लोगों को जागरूक करने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। इन निर्देशों की अनुपालना केवल जयपुर शहर तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि इसे पूरे राजस्थान में लागू किया जाना अनिवार्य है। इस मामले की अगली सुनवाई अब 3 अगस्त को होगी।

गुजरात सरकार की पहल, 18 साल तक के 2 करोड़ बच्चों का बनेगा हेल्थ पासपोर्ट

गांधीनगर। गुजरात में जनम से लेकर 18 वर्ष तक की उम्र के एक करोड 89 लाख बच्चों को हेल्थ पासपोर्ट बनाया जाएगा। एक हजार मेडिकल टीमें घर व स्कूलों में जाकर बच्चों की स्वास्थ्य जांच कर बच्चों के स्वास्थ्य का रिकार्ड तैयार करेंगे। हेल्थ पासपोर्ट में मेडिकल हिस्ट्री, बीमारी, पोषण व ट्रेकिंग की जानकारी होगी, परिवार के सदस्यों को भी बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर जागरुक किया जाएगा।

गुजरात में 1.89 करोड़ बच्चों का बनेगा हेल्थ पासपोर्ट

गांधीनगर में बुधवार को राज्यमंत्रीमंडल की बैठक में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने बताया कि स्कूल हेल्थ – राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की योजना के अंतर्गत राज्य में जन्म से लेकर 18 वर्ष तक के एक करोड 89 लाख बच्चों की मेडिकल जांच कर उनका हेल्थ पासपोर्ट बनाया जाएगा। परिवार के सदस्यों को भी बच्चों के स्वासथ्य के प्रति जागरुक करने के साथ उनको स्वास्थ्य की जानकारी रखने के लिए प्रेरित किया जाएगा। केंद्रीय ग्रह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के पिछले सप्ताह गुजरात दौरे के दौरान 27 जून को इसकी शुरुआत कर दी गई थी। बच्चों से संबंधित मेडिकल रिकॉर्ड का डिजीटल डेटा तैयार कर एक वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा।

हेल्थ पासपोर्ट में बच्चों का पूरा मेडिकल रिकॉर्ड होगा

992 मोबाइल मेडिकल टीमें बच्चों की स्वास्थ्य जांच करेगी। इसकी प्रक्रिया बहुत सरल होगी, माता व पिता को अन्य कोई खास दस्तावेज नहीं देना होगा। मोबाइल हेल्थ टीमें आंगनवाडी, स्कूल, मदरसा, गुरुकुल, में बच्चों की विशेष जांच करेगी इसके अलावा अन्य बच्चों का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर हेल्थ कार्ड बनेगा। स्वास्थ्य अधिकारी तथा प्राचार्य इन कार्ड को हर वर्ष रिन्यू कर सकेंगे। कार्ड में मेडिकल हिस्ट्री के साथ बच्चे की जन्मजात बीमारी अथवा खामी, कूपोषण, विकलांगता, मानसिक विकास, पोषण के स्तर, जीवन शैली आदि का उल्लेख होगा।

महिला को बैठाते ही ऑटो पर टूटी बेकाबू कार

सूरत। सूरत के पॉश इलाके वेसू में एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। इस पूरी घटना पास में लगे ष्टष्टञ्जङ्क कैमरे में कैद हो गई। वीडियो में दिख रहा है कि एक तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे खड़े ऑटो रिक्शा को पीछे से इतनी जोरदार टक्कर मारी कि ऑटो हवा में उछलकर पलट गया। हादसे के बाद कार चालक अपनी गाड़ी छोड़कर मौके से फरार हो गया। यह हादसा वेसू के वाइट हाउस के पास मुख्य मार्ग पर हुआ। जानकारी के अनुसार, एक ऑटो रिक्शा चालक सड़क से गुजर रहा था। तभी एक महिला यात्री ने ऑटो रुकने का इशारा किया। महिला को देखकर चालक ने सावधानीपूर्वक सड़क के किनारे ऑटो खड़ा किया ताकि वह आराम से उसमें बैठ सके। सीसीटीवी फुटेज के अनुसार, जैसे ही महिला ऑटो में बैठी, उसी समय पीछे से तेज रफ्तार में आ रही कार के चालक ने नियंत्रण खो दिया। आरोप है कि ब्रेक लगाने के बजाय कार सीधे खड़े ऑटो से जा टकराई। टक्कर इतनी तेज थी कि ऑटो हवा में उछल गया और सड़क पर पलट गया। हादसे में ऑटो के परखच्चे उड़ गए।

कार भी 180 डिग्री घूमकर पलट गई

हादसे की तीव्रता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि ऑटो को टक्कर मारने के बाद डस्टर कार भी अनियंत्रित होकर सड़क पर करीब 180 डिग्री घूम गई और पलट गई। पूरी घटना कुछ ही सेकंड में हुई और ष्टष्टञ्जङ्क कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। हादसे के तुरंत बाद आसपास के दुकानदार, राहगीर और स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए। लोगों ने सबसे पहले पलटे हुए ऑटो को सीधा करने की कोशिश की। ऑटो का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था और दरवाजा दब जाने के कारण चालक अंदर फंस गया था।

ऑटो काटकर बाहर निकाला गया चालक

स्थानीय युवाओं ने काफी मशक्कत के बाद ऑटो के अगले हिस्से को काटकर और तोड़कर चालक को बाहर निकाला। चालक गंभीर रूप से घायल था और उसके शरीर तथा सिर से काफी खून बह रहा था। लोगों ने सावधानीपूर्वक उसे बाहर निकालकर प्राथमिक सहायता उपलब्ध कराई। हादसे के समय ऑटो की पिछली सीट पर बैठी महिला यात्री भी उसमें मौजूद थी। राहत की बात यह रही कि स्थानीय लोगों की त्वरित मदद से उसे सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। इस हादसे में उसकी जान बचना किसी चमत्कार से कम नहीं माना जा रहा है।

कार को सीधा किया, लेकिन चालक फरार मिला

दुर्घटना के बाद लग्जरी कार नंबर त्नछ्व 05 छ्वय 5559 भी सड़क के बीचोंबीच पलटी हुई खड़ी थी। मौके पर मौजूद करीब 10 से 15 लोगों ने मिलकर कार को सीधा किया। जब लोगों ने कार के अंदर देखा तो चालक वहां मौजूद नहीं था। बताया जा रहा है कि हादसे के बाद वह अपनी कार छोड़कर मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची। पैरामेडिकल टीम ने घायल ऑटो चालक को प्राथमिक उपचार देने के बाद सूरत सिविल अस्पताल पहुंचाया। घायल की पहचान 38 वर्षीय सूरजभान गुप्ता के रूप में हुई है। उनके सिर में गंभीर चोट लगी है और काफी खून बहने के कारण उनका ट्रॉमा सेंटर में इलाज चल रहा है। पूरी दुर्घटना सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई है। वीडियो में तेज रफ्तार कार की टक्कर, ऑटो के पलटने और हादसे के बाद लोगों द्वारा राहत कार्य किए जाने के दृश्य साफ दिखाई दे रहे हैं। वहीं कार चालक के मौके से फरार होने की घटना भी चर्चा का विषय बनी हुई है।

मंदिर के दानपेटी को तोड़ 15 हजार रुपये की नकदी लेकर हुआ फरार

सूरत। जानकारी के मुताबिक, आरोपी ने मंदिर के अंदर रखी दानपेटी को तोड़ा और उसमें रखी करीब 15 हजार रुपये की नकदी निकालकर मौके से फरार हो गया। घटना उस समय हुई जब मंदिर परिसर में कोई मौजूद नहीं था। चोरी की पूरी घटना मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हो गई। फुटेज में आरोपी की गतिविधियां साफ दिखाई दे रही हैं, जिससे पुलिस को जांच में अहम सुराग मिलने की उम्मीद है। घटना का सीसीटीवी वीडियो सामने आने के बाद वह सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में कथित तौर पर आरोपी मंदिर परिसर में घुसते और दानपेटी तोड़कर नकदी लेकर भागते हुए दिखाई दे रहा है। घटना के बाद स्थानीय श्रद्धालुओं और क्षेत्र के लोगों में नाराजगी और चिंता का माहौल है। लोगों का कहना है कि धार्मिक स्थलों की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जाना चाहिए, ताकि इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाई जा सके। मंदिर प्रबंधन ने भी चोरी की घटना पर चिंता जताई है और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

सूरत: बिना ऑर्डर के गिराईं 80 झुग्गियां, नगर निगम के 5 अधिकारी सस्पेंड

सूरत नगर निगम ने नासिरनगर इलाके में करीब 80 झुग्गियों को गिराने के मामले में बड़ा एक्शन लिया है. निगम ने जांच के लिए इंटरनल कमेटी बनाई थी और इसके बाद पांच अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है. इस बीच कांग्रेस ने बीजेपी पर आरोप लगाए हैं कि ये कार्रवाई बिल्डर को फायदा पहुंचाने के लिए की गई है

सूरत। सूरत नगर निगम ने नासिरनगर इलाके में करीब 80 झुग्गियों को रहस्यमयी तरीके से गिराने के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। निगम ने अपने पांच अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है। कुछ दिन पहले ही निगम ने इस डिमोलिशन में अपनी किसी भी भूमिका से साफ इनकार किया था। SMC ने बुधवार को जारी एक बयान में बताया कि 30 मई को हुई इस घटना की जांच के लिए इंटरनल कमेटी बनाई गई थी। समिति की रिपोर्ट के आधार पर अब इन अधिकारियों के खिलाफ जांच शुरू कर दी गई है। SMC की स्थायी समिति के अध्यक्ष राजन पटेल ने पहले कहा था कि शुरुआती जानकारी के मुताबिक, निगम के अधिकारी वहां सिर्फ रोड डिमार्केशन के लिए गए थे।

क्या है पूरा मामला?

दरअसल मई के आखिरी हफ्ते में नासिरनगर में अचानक करीब 80 झुग्गियों को मलबे में तब्दील कर दिया गया था। इसके बाद भारी विवाद खड़ा हो गया। विवाद तेज होने के बाद **SMC** ने कहा था कि उसका इस कार्रवाई से कोई लेना-देना नहीं है और मामले की जांच के आदेश दिए थे। जांच को पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी बनाए रखने के लिए सुजलकुमार प्रजापति (एक्जीक्यूटिव इंजीनियर), जयंग जीवनरामजीवाला (एक्जीक्यूटिव इंजीनियर), अर्पण परमार (डिप्टी इंजीनियर), मोनिक गढिया (असिस्टेंट इंजीनियर) और नरेश कुमार गालचर (जूनियर इंजीनियर)को सस्पेंड कर दिया गया। हालांकि, नगर निगम ने अभी तक जांच समिति की रिपोर्ट के नतीजों का खुलासा नहीं किया है। कोर्ट या मीडिया के सामने ये साफ नहीं किया गया है कि झुग्गियां गिराने में इन अधिकारियों की क्या भूमिका था।

कांग्रेस ने बीजेपी पर लगाया आरोप

इस मामले को लेकर अब सियासत भी शुरू हो गई है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि सत्तारूढ़ बीजेपी के इशारे पर एक बिल्डर को फायदा पहुंचाने के लिए ये कार्रवाई की गई है, जो इस जमीन में दिलचस्पी रखता था। हालांकि, बीजेपी ने अभी तक इन आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। इस कार्रवाई के खिलाफ एक स्थानीय निवासी ने गुजरात हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। याचिका में दावा किया गया है कि झुग्गियां गिराने में कानूनी प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। कांग्रेस नेता और पूर्व पार्षद असलम साइकिलवाला ने आरोप लगाते हुए कहा, जिन घरों को तोड़ा गया है, उनमें से ज्यादातर 40 से 50 साल पुराने थे। इन झुग्गियों के मालिक नियमित रूप से सूरत नगर निगम को प्रॉपर्टी टैक्स दे रहे थे।

8 साल का भरोसा तोड़ा, ज्वेलरी फैक्ट्री से सोना-हीरे चुराकर भागा कर्मचारी, 37 लाख का माल बरामद

सूरत। गुजरात के सूरत में हीरा और ज्वेलरी उद्योग से जुड़ा विश्वासघात का एक बड़ा मामला सामने आया है। यहां एक पुराने कर्मचारी ने मालिक के वर्षों पुराने भरोसे का फायदा उठाकर फैक्ट्री से लाखों रुपये के सोने के आभूषण और हीरे चोरी कर लिए। आरोपी का मकसद मुंबई में अपना खुद का ज्वेलरी कारोबार शुरू करना था, लेकिन उससे पहले ही सूरत क्राइम ब्रांच ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया पूरा माल बरामद कर लिया है। बरामद सामान की कुल बाजार कीमत करीब 37.17 लाख रुपये बताई गई है। मामले में आगे की जांच जारी है कि आरोपी के साथ कोई और शामिल था या नहीं। यह मामला महिधरपुरा इलाके के भवानीवाड मेन रोड स्थित सांधा ज्वेल्स फैक्ट्री का है, जहां सोने के आभूषणों में हीरे जड़ने का काम होता है।

8 साल तक काम किया, फिर दोबारा नौकरी लेकर रची साजिश

पुलिस के मुताबिक, आरोपी संजुब साध्य उर्फ बप्पन पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के पांडुआ का रहने वाला है। वह वर्ष 2016 से 2022 तक फैक्ट्री में लगातार काम कर चुका था।

लंबे समय तक नौकरी करने के कारण फैक्ट्री मालिकों को उस पर पूरा भरोसा था और उसे फैक्ट्री के अंदर की व्यवस्था तथा कीमती सामान रखने की जगह की पूरी जानकारी थी। वर्ष 2022 में नौकरी छोड़ने के बाद आरोपी 3 जून 2026 को दोबारा उसी फैक्ट्री में नौकरी करने पहुंचा। पुराने भरोसे के चलते मालिकों ने उसे फिर से काम पर रख लिया। पुलिस का कहना है कि आरोपी पहले से ही चोरी की योजना बनाकर फैक्ट्री लौटा था। 17 जून 2026 की सुबह करीब 8 से 8:30 बजे के बीच मौका मिलते ही आरोपी सोने के आभूषण और हीरे लेकर फरार हो गया। इसके बाद फैक्ट्री मालिक ने महिधरपुरा पुलिस थाने में चोरी का मामला दर्ज कराया।

सिंदूर भरकर साथ रहने लगा युवक, शेविंग करते देखा तो खुला राज, फिर रेलवे ट्रैक किनारे कर दी हत्या

राजकोट। सोशल मीडिया पर हुई दोस्ती किस तरह एक खौफनाक हत्याकांड में बदल सकती है, इसका चौंकाने वाला मामला गुजरात के राजकोट ग्रामीण जिले के शापर-वेरावल इलाके से सामने आया है। फेसबुक और इंस्टाग्राम पर युवती बनकर एक युवक से दोस्ती की गई। दोनों के बीच रिश्ता इतना आगे बढ़ गया कि वो पति-पत्नी की तरह साथ रहने लगे। लेकिन जब युवक को पता चला कि जिसे वह युवती समझ रहा था, वह वास्तव में पुरुष है, तो दोनों के बीच शुरू हुआ विवाद आखिरकार हत्या तक पहुंच गया। राजकोट ग्रामीण पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। 25 जून को शापर-वेरावल के पास मस्कत फाटक के निकट रेलवे की दीवार के पास महिला के कपड़ों में एक अज्ञात व्यक्ति का सड़ी-गली अवस्था में शव मिला था। शुरुआती जांच में पुलिस ने आकस्मिक मौत का मामला दर्ज किया। हालांकि फोरेंसिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सिर पर गंभीर चोटों के कारण हत्या की पुष्टि हुई। इसके बाद पुलिस ने जांच का पूरा रुख बदल दिया। हत्या की गुत्थी सुलझाने के लिए पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे ष्टष्टञ्जङ्क कैमरों की फुटेज खंगाली। साथ ही टेक्निकल सर्विलांस और ह्यूमन इंटेलिजेंस की मदद ली गई। जांच के दौरान पुलिस उत्तर प्रदेश के 20 वर्षीय पीयूष कुमार खरवार तक पहुंची। पूछताछ में पीयूष ने हत्या की बात कबूल कर ली, जिसके बाद पूरे मामले का खुलासा हो गया। पुलिस जांच में सामने आया कि हैदराबाद में रहने के दौरान पीयूष की पहचान फेसबुक पर निशा कुमार और इंस्टाग्राम पर पूनम नाम की आईडी के जरिए चंदन कुमार से हुई थी।

पूनम निकली चंदन... तीन साल का रिलेशन, पीयूष को कैसे पता चला पत्नी नहीं ये तो पुरुष है?

युवक ने सोशल मीडिया पर मिली पत्नी की हत्या की

पत्नी असल में पुरुष निकला, तीन साल का रिश्ता

राजकोट में पत्थरों से हमला कर शव छिपाया गया

अहमदाबाद। सोशल मीडिया पर आजकल लोगों के रिश्ते बन भी रहे हैं और बिगड़ भी रहे हैं। वहीं राजकोट के 20 साल के युवक पीयूष कुमार खरवार ने सोशल मीडिया पर एक लड़की से चैटिंग शुरू की और लड़की ने भी उसे अपना पति मान लिया। लड़की ने पीयूष के नाम सिंदूर भी मांग में भरा और उसे ये दावा किया कि वो उसे अपना पति मानती थी, लेकिन पीयूष के सामने ये बात सामने आई कि असल में जिससे वो बात करता था, वो लड़की नहीं बल्कि एक लड़का है, तब पीयूष ने उसका मर्डर कर दिया।

ऑनलाइन मिली पत्नी की कर दी हत्या

इस मामले की जांच 25 जून को शुरू हुई, जब पुलिस को मस्कट फाटक रेलवे दीवार के पास महिलाओं के कपड़े पहने एक बुरी तरह सड़ी-गली लाश मिली। शुरुआत में इसे एक्सीडेंटल डेथ माना जा रहा था, लेकिन पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में सिर पर गंभीर चोटें पाई गईं, जिसके बाद अधिकारी इसे मर्डर केस के तौर पर फिर से जांच के दायरे में लाए। पुलिस ने आरोपी का पता लगाने के लिए सीसीटीवी फुटेज देखे और जमीनी जानकारी का इस्तेमाल किया। आखिरकार उन्होंने 20 साल के पीयूष कुमार खरवार को गिरफ्तार किया, जिसने पूछताछ के दौरान अपना जुर्म कबूल कर लिया।

कैसे हुई पीयूष और चंदन की शादी?

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, पीयूष फेसबुक पर निशा कुमार और इंस्टाग्राम पर पूनम नाम से किसी व्यक्ति के संपर्क में आया था। इन अकाउंट्स को चलाने वाला चंदन कुमार था, जिसने पीयूष का भरोसा जीतने के लिए खुद को महिला बताया था। बाद में पीयूष और लड़की बनकर रह रहा चंदन साथ में रहने लगे। पुलिस ने बताया कि चंदन धार्मिक कसमों का हवाला देकर पीयूष के साथ शारीरिक नजदीकी से बचता रहा। पीयूष ने चंदन को अपनी पत्नी मान लिया था और रस्म के तौर पर चंदन की मांग में सिंदूर भी लगाया था। पीयूष को चंदन की सच्चाई तब पता चली, जब उसने चंदन को शेविंग करते देखा और उसे एहसास हुआ कि उसका पार्टनर असल में एक पुरुष है जो समलैंगिक संबंध चाहता था।

पीयूष ने कर दिया चंदन का मर्डर

इस बात का पता चलने के बाद दोनों के बीच तनाव बढ़ गया और पीयूष, चंदन को छोड़कर भाग गया। लेकिन चंदन, पीयूष का पीछा करते हुए उत्तर प्रदेश और राजस्थान से होता हुआ राजकोट के पडवाला स्थित एक फैक्ट्री तक पहुंच गया। 21 जून को पीयूष के काम करने की जगह पर दोनों के बीच बहस हुई। पुलिस ने बताया कि इसके बाद पीयूष, चंदन को रेलवे ट्रैक के पास एक सुनसान जगह पर ले गया, जहां उसने बड़े पत्थरों से हमला कर उसकी हत्या कर दी। उसने लाश को पत्थरों के नीचे छिपा दिया और अपनी शिफ्ट के लिए काम पर लौट आया। राजकोट ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक विजयसिंह गुर्जर ने पुष्टि की कि भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत मर्डर का केस दर्ज किया गया है और कानूनी प्रक्रिया चल रही है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रदीप कुमार सोलंकी द्वारा महानगर मल्टीमीडिया प्रा. लि. जी-848, फेज 3, रीको सीतापुरा, जयपुर (राज.) से मुद्रित एवं 227-हीरालाल की गली, झालाना, मालवीय नगर, जयपुर (राज.) से प्रकाशित।
सम्पादकः प्रदीप कुमार सोलंकी, मो. 93510-01100, Email: atulyasansar@gmail.com संपादकीय कार्यालयः जगतपुरा फ्लाईओवर के पास, जगतपुरा जयपुर।